(Q) केन्स के व्याज के तरलता अधिमान सिद्धांत की आलोचनात्मक व्याख्या करें?

अर्थशास्त्र में मौद्रिक पूँजी के उपयोग के लिए दिया जाने वाला भुगतान व्याज है। व्याज राष्ट्रीय आय का वह भाग है जो पूँजी की सेवाओं के बदले पूँजीपति को दिया जाता है।

1936 में प्रो० केन्स ने अपनी पुस्तक रोजगार, व्याज एवं मुद्रा का सामान्य सिद्धांत (General theory of Employment, interest & money) ने व्याज के अन्य सिद्धांतो की आलोचना करते हुए व्याज के एक नवीन सिद्धांत का प्रतिपादन किया है, जिसे व्याज का तरलता पसंदगी सिद्धांत कहा जाता है। केन्स के अनुसार, " व्याज निश्चित अवधि के लिए तरलता के परित्याग का पुरस्कार है।"

केन्स मुद्रा की मांग को तरलता पसंदगी के संदर्भ में परिभाषित करते हैं। नकद मुद्रा की माँग को तरलता पसंदगी कहा जाता है। मुद्रा को कई रूपों में रखा जा सकता है किन्तु विभिन्न रूपों में सबसे तरल रूप (Liquid form) नकद मुद्रा है क्योंकि नकद मुद्रा को ही हम जब चाहें इच्छानुसार प्रयोग कर सकते हैं। इस प्रकार नकदी (cash) को केन्स ने तरलता (Liquidity) का नाम दिया।

प्रतिष्ठित अर्थशास्त्री यह मानते थे कि मुद्रा केवल विनिमय माध्यम के रूप में कार्य करती है और एक निष्क्रिय वस्तु है। परन्तु केन्स के अनुसार, मुद्रा विनिमय माध्यम के साथ-साथ मूल्य संचय का भी कार्य करती है। मुद्रा में तरलता गुण होने के कारण व्यक्ति मुद्रा का संचय करना चाहते हैं। व्यक्ति जब किसी दूसरे व्यक्ति को उधार देता है तो उसे तरलता का त्याग करना पड़ता है इसी त्याग के बदले व्यक्ति को जो पुरस्कार दिया जाता है, वही व्याज दर है।

केन्स के अनुसार व्याज दर का निर्धारण मुद्रा की मांग तथा मुद्रा की पूर्ति के सापेक्षिक शक्तियों द्वारा किया जाता है —

P.T.O

मुद्रा की मांग → केन्स के अनुसार, मुद्रा की मांग का अभिप्राय मुद्रा की उस राशि से है जो लोग अपने पास तरल (नकद) रूप में रखना चाहते हैं। उनके अनुसार, लोग मुद्रा को नकद या तरल रूप में रखने की मांग तीन उद्देश्यों से करते हैं —

(A) सौदा उद्देश्य (Transactive motive) → व्यक्तियों को आय एक निश्चित अवधि के बाद मिलती है जबकि व्यय करने की आवश्यकता दैनिक जीवन में प्रतिदिन पड़ती है। इस प्रकार, आय प्राप्त करने तथा व्यय करने के बीच अन्तर रहता है। एक अर्थव्यवस्था में सभी व्यक्ति, परिवार और फर्में दैनिक खर्चे के लिए जो मुद्रा की मांग करते हैं उसे सौदा उद्देश्य मांग कहा जाता है। यह मांग निम्न तत्वों पर निर्भर करती है —

(a) आय तथा रोजगार का स्तर → देश में आय, उत्पादन एवं रोजगार का स्तर जितना अधिक होगा उतना ही क्रय - विक्रय के निकट मुद्रा की मांग अधिक होगी।

(b) आय प्राप्ति की प्रवृत्ति → नकदी की मांग आय के परिणाम पर ही निर्भर नहीं करती बल्कि इस बात पर भी निर्भर करती है कि आय कितने अन्तराल के बाद प्राप्त हो रही है।

(c) व्यय की अवधि → व्यय की अवधि भी नकदी की मांग को प्रभावित करती है,

(B.) सट्टा उद्देश्य (Speculative motive) → व्यक्ति अपने पास नकद मुद्रा इसलिए भी रखना चाहता है ताकि भविष्य में ब्याज दर, बॉण्ड तथा प्रतिभूतियों की कीमतों में होने वाला परिवर्तन लाभ उठा सके।

(C) दूरदर्शिता का उद्देश्य (Precautionary motive) → भविष्य की अनिश्चितताओं जैसे → बेकारी, बिमारी, दुर्घटना, मृत्यु आदि की

दशाओं में सुरक्षित रहने के लिए अथवा भविष्य में सामाजिक रीति-रिवाजों को पूरा करने के लिए व्यक्ति नकद मुद्रा की मात्रा अपने पास रखना चाहता है।

मुद्रा की पूर्ति (Supply of Money) → केन्स के अनुसार

मुद्रा की पूर्ति देश में परिचलन मुद्रा तथा बैंक जमा पर निर्भर करती है। ब्याज दर मुद्रा की पूर्ति को निर्धारित नहीं करती। मुद्रा की पूर्ति अर्थव्यवस्था की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर मौद्रिक अधिकारियों (केन्द्रीय बैंक) द्वारा निर्धारित की जाती है इसी कारण ब्याज के सापेक्ष पूर्ति बेलोच होती है,

ब्याज दर का निर्धारण (Determination of interest Rate)

ब्याज दर का निर्धारण उस बिन्दु पर होता है जहाँ तरलता पसंदगी वक्र (LP Curve), मुद्रा की पूर्ति वक्र को काटता है। संतुलन का यह बिन्दु ब्याज की उस दर को बतलाता है जहाँ नकद मुद्रा की इच्छा, नकद मुद्रा की वास्तविक मात्रा (पूर्ति) के बराबर होती है।

चित्र में OX रेखा पर मुद्रा की मांग / पूर्ति तथा OY रेखा से ब्याज की दर को दर्शाया गया है। बिन्दु 'E' पर तरलता पसंदगी तथा नकद मुद्रा की पूर्ति संतुलित अवस्था में आती है जहाँ ब्याज दर 'r' निर्धारित होती है। इस प्रकार संतुलन बिन्दु E ब्याज की संतुलित दर को बताता है।

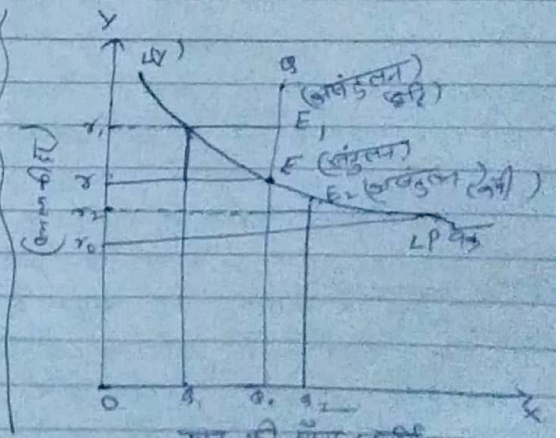

ब्याज दर r_1 पर असंतुलन की दशा उत्पन्न होती है क्योंकि इस ब्याज दर पर तरलता पसंदगी मुद्रा की पूर्ति से कम ($OQ_1 > OQ_0$)। इस असंतुलन के परिणामस्वरूप लोग अधिक बॉण्ड खरीदेंगे जिससे बॉण्ड कीमतों में वृद्धि तथा ब्याज दर में कमी होगी। यदि ब्याज दर r_2 निर्धारित होती है तब मुद्रा बाजार में पुनः असंतुलन होता है क्योंकि इस ब्याज दर पर मुद्रा की इच्छा मुद्रा की पूर्ति से अधिक है। इसके परिणामस्वरूप बॉण्ड बेचना आरंभ करेंगे जिससे बॉण्ड कीमतों में कमी एवं ब्याज की दर में वृद्धि होती है। अतः ब्याज की दर का निर्धारण 'E' बिन्दु पर होता है जहाँ मांग एवं पूर्ति बराबर होते हैं।

आलोचना

कीन्स के द्वारा प्रतिपादित ब्याज की दर के सिद्धांत की 'हैन्सन', हैजलिट, बॉमोल आदि अर्थशास्त्रियों ने कई आलोचना निम्न मुख्य बिन्दु द्वारा की है —

(५) **समय तत्व की उपेक्षा** → कीन्स का सिद्धांत इस बात को स्पष्ट नहीं करता है कि अल्पकालीन एवं दीर्घकालीन ब्याज दरों में अन्तर क्यों होता है? वास्तव में, समय तत्व भी ब्याज को प्रभावित करता है।

(६) **तरलता जाल** → कीन्स के ब्याज दर सिद्धांत में तरलता जाल की धारणा एक प्रमुख अंग है। अमेरिकन अर्थशास्त्रियों का कहना है कि अमेरिका की अर्थव्यवस्था में द्रव्य फंसन कभी भी पूर्णतः लोचदार होने की स्थिति में न तो सैद्धांतिक रूप से सिद्ध हुई है और न ही व्यवहार में देखी गयी है।

(७) **अव्यावहारिक सिद्धांत** → प्रो. नाइट तथा प्रो. हैबरलिड्ज का विचार है कि कीन्स के अनुसार ब्याज दर उस समय अधिक होनी चाहिए जब तरलता पसंदगी अधिक हो। परन्तु मंदी के दिनों में तरलता पसंदगी अधिक होते हुए भी ब्याज दर कम होते हैं।

(८) **सौदा उद्देश्य मांग एवं ब्याज की दर** → कीन्स के ब्याज दर के सिद्धांत में मुद्रा की सौदा उद्देश्य मांग को ब्याज दर से स्वतंत्र माना गया है। 'Tobin' का कहना है कि मुद्रा की सौदा उद्देश्य मांग तथा ब्याज की दर में विपरीत संबंध पाया जाता है।

(९) **मुद्रा का सही अर्थ नहीं** → कीन्स ने मुद्रा की स्पष्ट परिभाषा नहीं दी है। मुद्रा में बैंक जमा सम्मिलित होते हैं अथवा नहीं उनकी परिभाषा से स्पष्ट नहीं होता। मुद्रा की पूर्ति का ब्याज दर से संबंध है या नहीं यह भी स्पष्ट नहीं होता।

(१०) **वास्तविक तत्वों की उपेक्षा** → कीन्स ने अपने सिद्धांत में ब्याज के प्रमुख निर्धारक तत्वों की उपेक्षा की है, जैसे → पूंजी की उत्पादकता, मितव्ययिता (बचत) आदि।

(११) **अनिर्धारित सिद्धांत** → कीन्स के अनुसार ब्याज दर मुद्रा की पूर्ति एवं मांग द्वारा निर्धारित होती है।

उपर्युक्त तर्कों से यह स्पष्ट होता है कि ब्याज की दर का निर्धारण मुद्रा की मांग एवं पूर्ति के बराबर होने पर ही हो सकता है।

— • —

Scanned with CamScanner